भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 37
01.12.2025 को उत्तर के लिए

ग्रीन इंडिया डिजिटल मिशन का कार्यान्वयन

37. श्री शशांक मणि :
श्री अनुराग शर्मा :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश भर में हरित भारत मिशन (जीआईएम) के कार्यान्वयन की, विशेष रूप से वनीकरण, पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्स्थापन और सतत आजीविका को बढ़ावा देने के संदर्भ में राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार वर्तमान स्थिति और प्रगति क्या है;

(ख) क्या वास्तविक समय वन निगरानी और संरक्षण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उपग्रह प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जा रहा है;

(ग) डिजिटल वन मानचित्रण और जैव विविधता प्रबंधन के संदर्भ में प्राप्त परिणामों का ब्यौरा क्या है;

(घ) मिशन के अंतर्गत इसकी शुरुआत से अब तक आवंटित, जारी और उपयोग की गई धनराशि के ब्यौरे सहित शुरू की गई प्रमुख परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या मिशन ने वन और वृक्ष आवरण में वृद्धि, कार्बन पृथक्करण क्षमता में वृद्धि और जैव विविधता के संरक्षण के संदर्भ में मापनीय परिणाम प्राप्त किए हैं; और

(च) सरकार द्वारा सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करने, स्थानीय संस्थाओं की क्षमता निर्माण और विशेष रूप से पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील और सूखा-प्रवण क्षेत्रों में आजीविका सृजन और पर्यावरणीय लाभों को अधिकतम करने के लिए जीआईएम कार्यकलापों को अन्य योजनाओं के साथ समामेलित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (च) राष्ट्रीय हरित भारत मिशन(जीआईएम) आठ मिशनों में से एक है, जो राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य- योजना के तहत निर्धारित है। इसका उद्देश्य भारत के वन आवरण की सुरक्षा, पुनर्स्थापना और संवर्द्धन करना और चयन किए हुए अवक्रमित और संवेदनशील परिदृश्यों में वनों और गैर-वन क्षेत्रों में वृक्षारोपण कार्यकलापों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन का सामना करना है। जीआईएम कार्यकलापों की शुरुआत वित्तीय वर्ष 2015-16 में संयुक्त वन प्रबंधन समितियों के माध्यम से की गई थी। अब तक, 17 राज्यों अर्थात् आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, सिक्किम, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और जम्मू एवं कश्मीर के संघ राज्य क्षेत्रों को पौधारोपण/पारिस्थितिकी

पुनर्स्थापना के लिए 170,745 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए कुल 1027.19 करोड़ रुपये की मंजूरी/अवंटन की गई है। राज्य-वार आवंटित/ जारी की गई और उपयोग की गई निधियों तथा पारिस्थितिकी पुनर्स्थापना के तहत शुरू किए गए क्षेत्र का विवरण अनुलग्नक-1 में दिया गया है।

वृक्षारोपण की निगरानी एक बहु-स्तरीय कार्यक्रम है जिसमें केंद्रीय और राज्य दोनों तंत्र शामिल हैं। राज्य वन विभाग मौजूदा स्थिति का वार्षिक सत्यापन और तृतीय-पक्षीय निगरानी करते हैं, और मंत्रालय को केएमएल फ़ाइलें, प्रगति रिपोर्ट और जियो-टैग की गई तस्वीरें प्रस्तुत करते हैं। मंत्रालय ने केंद्रीयकृत, पारदर्शी निगरानी के सुदृढीकरण हेतु जियोस्पेशियल उपकरणों का उपयोग करते हुए राष्ट्रीय वृक्षारोपण निगरानी प्रणाली (एनएएमएस) की भी शुरूआत की है। मंत्रालय के अधीनस्थ भारतीय वन सर्वेक्षण का कार्यालय वन संसाधन सर्वेक्षण और वन आवरण में परिवर्तनों का आकलन करता है, जिसमें डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, वास्तविक स्थिति का सत्यापन और उपग्रह डेटा संबंधी कार्य शामिल है।

राष्ट्रीय हरित भारत मिशन (जीआईएम) ने वनों और वृक्ष आवरण के बढ़ाव, वन की गुणवत्ता में सुधार और कार्बन अवशोषण बढ़ाने के मामले में महत्वपूर्ण परिणाम हासिल किए हैं। मंत्रालय विभिन्न वनीकरण और पारिस्थितिक पुनर्स्थापन पहलों, जिनमें हरित भारत मिशन (जीआईएम) शामिल है, के माध्यम से प्राप्त वन/वृक्ष आवरण और कार्बन अवशोषण की निगरानी करता है, जिसके लिए वह भारत की दिववार्षिक वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) द्वारा प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करता है, जिसे भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई) प्रकाशित करता है। आईएसएफआर की श्रृंखला कुल वन और वृक्ष आवरण में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है। आईएसएफआर 2023 के अनुसार, देश का कुल वन और वृक्ष आवरण 8,27,356.95 वर्ग किमी है, जो भारत के भौगोलिक क्षेत्र का 25.17% है। इसमें 7,15,342.61 वर्ग किमी (21.76%) वन आवरण और 1,12,014.34 वर्ग किमी (3.41%) वृक्ष आवरण शामिल है। भारत के वन और वृक्ष आवरण में कुल कार्बन भंडार का आकलन 30.43 अरब टन के रूप में किया गया है, जो एक पर्याप्त कार्बन सिंक के अनुरूप है।

*****

अनुलग्नक -1

'ग्रीन इंडिया डिजिटल मिशन के कार्यान्वयन' के बारे में श्री शशांक मणि और श्री अनुराग शर्मा द्वारा लोक सभा में दिनांक 01.12.2025 को पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 37 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

इको-रेस्टोरेशन के तहत लिए गए कुल क्षेत्र के साथ, आवंटित/जारी की गई और उपयोग की गई निधियों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	राज्य	आवंटित/जारी की गई निधियाँ (करोड़ रुपए में)	उपयोग की गईं निधियाँ (करोड़ रुपए में)	इको-रेस्टोरेशन के तहत लिए गए कुल क्षेत्र (हेक्टेयर में)
1	आंध्र प्रदेश	6.19	4.17	1433
2	अरुणाचल प्रदेश	34.71	29.96	5314
3	छत्तीसगढ़	75.58	72.84	19128
4	हरियाणा	73.38	44.51	1301
5	हिमाचल प्रदेश	17.09	9.01	1299
6	जम्मू और कश्मीर	36.72	33.50	1778
7	कर्नाटक	24.61	23.44	2722
8	केरल	41.88	25.47	12297
9	मध्य प्रदेश	123.26	99.11	32831
10	महाराष्ट्र	10.30	9.43	5223
11	मणिपुर	65.72	62.66	16488
12	मिजोरम	169.11	160.21	19643
13	ओडिशा	88.37	84.28	20711
14	पंजाब	26.95	24.17	6568
15	सिक्किम	49.34	42.73	6567
16	उत्तराखंड	167.59	161.88	14836
17	पश्चिम बंगाल	10.95	10.18	2606
18	उत्तर प्रदेश*	5.43	4.22	-
कुल		**1027.19**	**901.75**	**170745**

****जीआईएम कार्यकलापों** 2024-25 में शुरू की गईं और राज्य ने मौजूदा वित्तीय वर्ष में मात्र सृजन/पौधारोपण कार्यकलाप शुरू करने के लिए अग्रिम रूप से कार्य किया है*

*****